# बी0ए0 प्रथम वर्ष

## प्रथम प्रश्न पत्र

**आधुनिक हिन्दी कविता**

**1. मैथिलीशरण गुप्त: आलोचना और व्याख्या**

आधुनिक खड़ी बोली कविता का आरम्भ, द्विवेदी युगीन काव्य-प्रवृत्तियां और मैथिलीशरण गुप्त, गुप्त जी का जीवन परिचय और रचनाएं, राम काव्य परम्परा में साकेत , साकेत की मौलिकता तथा आधुनिकता, साकेत का महाकाव्यत्व, भाव-व्यंजना, पात्र-परिकल्पना, भाषा , नवम सर्ग़ का काव्य सौष्ठव तथा संवेदना।

- व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ - 'साकेत : नवम सर्ग ( दूसरा भाग)

**2. जयशंकर प्रसाद: आलोचना और व्याख्या**

प्रसाद का जीवन परिचय और रचनाएं, छायावादी काव्य की प्रवृत्तियां और कामायनी , कामायनी का महाकाव्यत्व, युगबोध, चिंता सर्ग का काव्य सौष्ठव, कामायनी की भाषा।

- व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ - कामायनी ( चिंता सर्ग )

**3. सूर्यकान्त त्रिपाठी ' निराला' : आलोचना और व्याख्या**

'निराला' का जीवन परिचय और रचनाएं, 'निराला' की विद्रोही चेतना, प्रगतिशीलता, काव्य की बहुआयामी प्रवृत्ति, काव्यभाषा।

- व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं -बादल राग ( तिरती है समीर सागर से), अधिवास,तोड़ती पत्थर।

(राग-विराग - सं0 डॉ0 राम विलास शर्मा)

**4. सुमित्रानन्दन पंत: व्याख्या और आलोचना**

पंत का जीवन परिचय और रचनाएं, पंत की काव्य संवेदना और काव्य शिल्प, सौन्दर्य दृष्टि और प्रकृति चित्रण, काव्य भाषा।

- व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं - भारत माता, नौका विहार, ताज। (आधुनिक कवि पंत - हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद)

**5. रघुवीर सहाय: आलोचना और व्याख्या**

रघुवीर सहाय का जीवन परिचय और रचनाएं, रघुवीर सहाय की काव्य संवेदना, काव्य भाषा और काव्य शिल्प।

- व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं - पढ़िए गीता, अधिनायक, अकाल और आत्महत्या के विरुद्ध। (रघुवीर सहायः प्रतिनिधि कविताएं, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

**6. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' : व्याख्या और आलोचना**

'अज्ञेय' का जीवन परिचय और रचनाएं, प्रयोगवाद और 'अज्ञेय' , 'अज्ञेय' की काव्य संवेदना और काव्य शिल्प।

व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं - आज थका हिय हारिल मेरा, बावरा अहेरी, शब्द और सत्य एवं मेरे देश की आंखें। (अज्ञेय की कविताएं - सं0 विद्यानिवास मिश्र, राजपाल एण्ड संस, नई दिल्ली)

**7. गजानन माधव 'मुक्तिबोध' : व्याख्या और आलोचना**

'मुक्तिबोध' का जीवन परिचय, काव्य रचनाएं, नई काव्य संवेदना, प्रगतिशीलता, काव्य भाषा एवं शिल्प विधान।

व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं - मैं उनका ही होता, मैं तुम लोगों से दूर हूं, कहने दो उन्हें जो यह कहते हैं और भूल गलती। (मुक्तिबोध: प्रतिनिधि कविताएं, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली)

**8. 'नागार्जुन' : व्याख्या और आलोचना**

'नागार्जुन' का जीवन परिचय, काव्य रचनाएं, प्रगतिशील-चेतना, काव्यवस्तु, काव्य शिल्प, काव्य भाषा।

व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं - पछाड़ दिया मेरे आस्तिक को, बहुत दिनों के बाद, बादल को घिरते देखा है और सिंदूर तिलकित भाल। (नागार्जुन: प्रतिनिधि कविताएं, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

**9. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना: व्याख्या और आलोचना**

सर्वेश्वर का जीवन परिचय एवं आलोचना, काव्यवस्तु, काव्य संवेदना,काव्य शिल्प।

व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं - सुहागिन का गीत, लीक पर वे चलें, भूख और फसल।( सर्वेश्वर दयाल सक्सेना: प्रतिनिधि कविताएं , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली )

**10. केदार नाथ अग्रवाल: व्याख्या और आलोचना**

केदार नाथ अग्रवाल का जीवन परिचय एवं आलोचना, काव्यवस्तु, काव्यसंवेदना, काव्यशिल्प।

व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं - बसंती हवा, वीरांगना, मोर्चे पर और किसान से।

(पाठ्य पुस्तक -'आधुनिक काव्य' , हिन्दी परिषद प्रकाशन, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।)

## सहायक पुस्तकें


| | |
|---|---|
| अजय तिवारी | : केदार नाथ अग्रवाल |
| प्रेम शंकर | : प्रसाद का काव्य |
| नगेन्द्र | : कामायनी के अध्ययन की समस्याएं |
| दूधनाथ सिंह | : निराला: आत्महंता आस्था |
| बच्चन सिंह | : क्रान्तिकारी कवि निराला |
| राम कमल राय | : अज्ञेय: सृजन और संघर्ष |
| अशोक चक्रधर | : मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया |
| अजय तिवारी | : नागार्जुन का काव्य |
| परमानंद श्रीवास्तव | : कविता का अर्थात् |
| रामस्वरूप चतुर्वेदी | : नई कविताएं: एक साक्ष्य |
| विश्वम्भर मानव एवं राम किशोरशर्मा | : आधुनिक कवि |
| कृपाशंकर पाण्डेय | : सर्वेश्वर, मुक्तिबोध और अज्ञेय |
| सुरेश शर्मा | : रघुवीर सहाय का कवि कर्म |

# बी0ए0 प्रथम वर्ष

## द्वितीय प्रश्न पत्र

**गद्य साहित्य:विभिन्न विधाएं**

**निबन्ध**

भारतेन्दु हरिश्चंद्र : भारत वर्षोन्नति कैसे हो सकती है?

बालमुकुन्द गुप्त : एक दुराशा

रामचन्द्र शुक्ल : क्रोध

हजारी प्रसाद द्विवेदी : कुटज

हरिशंकर परसाई : विकलांग श्रद्धा का दौर

विद्यानिवास मिश्र : घने नीम तरु तले

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन ' अज्ञेय' : बसंत का अग्रदूत (संस्मरण)

फणीश्वर नाथ रेणु : 'तीसरी कसम' के सेट पर ( रिपोर्ताज )

पाठ्य पुस्तक - ' नवीन निबन्ध संग्रह' , हिन्दी परिषद प्रकाशन, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

**कहानी**

प्रेमचंद : गुल्ली - डंडा

चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' : उसने कहा था

जयशंकर प्रसाद : पुरस्कार

यशपाल : महाराजा का इलाज

अमरकान्त : दोपहर का भोजन

भीष्म साहनी : चीफ की दावत

चित्रा मुद्गल : भूख

शिवमूर्ति : सिरी उपमा जोग

उपन्यास

प्रेमचन्द : निर्मला

**नाटक**

असगर वजाहत : जिन लाहौर नहिं देख्यां सो जन्म्यां नहिं

**एकांकी**

रामकुमार वर्मा : उत्सर्ग

उपेन्द्रनाथ 'अश्क' : तौलिए

लक्ष्मी नारायण लाल : व्यक्तिगत

भुवनेश्वर : श्यामा: एक वैवाहिक विडम्बना

पाठ्क पुस्तक - प्रतिनिधि एकांकी संग्रह - हिन्दी परिषद प्रकाशन, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।

**सहायक पुस्तकें**


| | |
|---|---|
| राम विलास शर्मा | : भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा |
| रामचन्द्र तिवारी | : हिन्दी का गद्य-साहित्य |
| रामविलास शर्मा | : प्रेमचन्द और उनका युग |
| नामवर सिंह | : कहानी: नयी कहानी |
| देवीशंकर अवस्थी | : हिन्दी कहानी: सन्दर्भ और प्रकृति |
| गिरीश रस्तोगी | : मोहन राकेश के नाटक |
| रामकुमार वर्मा | : एकांकी कला |
| शिवमूर्ति | : केसर कस्तूरी |
| सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' | : स्मृति लेखा |

# बी0ए0 द्वितीय वर्ष

## प्रथम प्रश्न पत्र

**मध्यकालीन काव्य**

**1. विद्यापति: अध्ययन एवं आलोचना**

- संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएं
- शंृगार काव्य परम्परा और विद्यापति
- विद्यापति के काव्य में भक्ति चेतना
- निर्धारित पदों की व्याख्या (संकलन - 'मध्यकालीन काव्य' , हिन्दी परिषद प्रकाशन, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।)

**2. कबीरदास: अध्ययन एवं आलोचना**

- संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएं
- निर्गुण परम्परा और कबीर
- विचारधारा और साधना का स्वरूप
- कबीर का युगबोध
- कबीर की भक्ति, समाज चेतना और भाषा
- निर्धारित पद तथा साखियों की व्याख्या ( संकलन - 'मध्यकालीन काव्य' , हिन्दी परिषद प्रकाशन, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।)

**3. सूरदास: अध्ययन एवं आलोचना**

- संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएं
- कृष्णभक्ति परम्परा और सूरदास
- सूरदास में वात्सल्य और शंृगार
- सूरदास की काव्य-कला और काव्य-भाषा
- निर्धारित पदों की व्याख्या ( संकलन - 'मध्यकालीन काव्य' , हिन्दी परिषद प्रकाशन, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।)

**4. तुलसीदास: अध्ययन एवं आलोचना**

- संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएं
- सगुण राम-काव्य परम्परा और तुलसीदास
- 'रामचरित-मानस' के प्रबन्ध कौशल में 'अयोध्याकाण्ड' का स्थान

- लोकमंगल और समन्वयात्मक दृष्टि
- तुलसी की भक्ति का स्वरूप
- तुलसी का काव्य-शिल्प
- संकलित रचनाओं की व्याख्या ( संकलन - 'मध्यकालीन काव्य' , हिन्दी परिषद प्रकाशन, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।)

**5. मलिक मुहम्मद जायसी: अध्ययन एवं आलोचना**

- संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएं
- सूफी प्रेमाख्यानक काव्य-परम्परा और जायसी
- जायसी के काव्य में प्रेम, विरह-वर्णन और प्रकृति चित्रण
- जायसी की भाषागत विशेषताएं
- 'पद्मावत' के 'नागमती वियोग खण्ड' की व्याख्या ( संकलन - 'मध्यकालीन काव्य' , हिन्दी परिषद प्रकाशन, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।)

**6. मीराबाई: अध्ययन एवं आलोचना**

- संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएं
- भक्ति-काव्य का स्त्री स्वर और मीरा
- मीरा के काव्य में भक्ति-भावना , प्रेम एवं विरह
- गीति-काव्य परम्परा में मीरा का स्थान
- निर्धारित पदों की व्याख्या

  निर्धारित पुस्तक - 'मीराबाई की पदावली' सं0 आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद (प्रथम खंड) ।

  ( पद सं0 - 3,7,19,23,25,32,33,38,45,57= 10 पद ) (मध्यकालीन काव्य में संकलित)

**7. बिहारी: अध्ययन एवं आलोचना**

- मुक्तक-काव्य परम्परा और बिहारी
- बिहारी की कलात्मकता
- बिहारी काव्य में रीति तत्व एवं बिहारी की काव्य-भाषा
- संकलित दोहों की व्याख्या ( संकलन - 'मध्यकालीन काव्य' , हिन्दी परिषद प्रकाशन, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।)

**8. घनानंद: अध्ययन एवं आलोचना**

- संक्षिप्त जीवनवृत्त और रचनाएं
- रीति-काव्य परम्परा और घनानंद
- घनानंद की प्रेम-संवेदना और भाषा
- काव्य-कला
- संकलित पदों की व्याख्या ( संकलन - 'मध्यकालीन काव्य' , हिन्दी परिषद प्रकाशन, हिन्दी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।)

**सहायक पुस्तकें**


| | |
|---|---|
| विद्यापति | : शिवप्रसाद सिंह |
| कबीर | : हजारी प्रसाद द्विवेदी |
| कबीर मीमांसा | : रामचन्द्र तिवारी |
| तुलसीदास | : रामचन्द्र शुक्ल |
| तुलसी | : माता प्रसाद गुप्त |
| सूरदास | : रामचन्द्र शुक्ल |
| सूर-साहित्य | : हजारी प्रसाद द्विवेदी |
| जायसी | : विजयदेव नारायण साही |
| बिहारी की वाग्विभूति | : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र |
| घनानंद का काव्य | : रामदेव शुक्ल |
| मध्यकालीन धर्म साधना | : हजारी प्रसाद द्विवेदी |
| भक्तिकाव्य और लोक जीवन | : शिवकुमार मिश्र |
| भक्तिकाव्य की सामाजिक पृष्ठभूमि | : प्रेमशंकर |
| मीरा का काव्य | : विश्वनाथ त्रिपाठी |

# बी0ए0 द्वितीय वर्ष

## द्वितीय प्रश्न पत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. साहित्येतिहास की सामग्री

- संचयन, वर्गीकरण और उपयोग
- इतिहास लेखन की दृष्टियां और परंपरा
- काल विभाजन: आधार और नामकरण

2. आदिकाल (1400 ई0 तक)

- साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भ
- साहित्य की अभिव्यक्ति का स्वरूप

(क) सिद्ध साहित्य,(ख) नाथ साहित्य, (ग) जैन साहित्य, (घ)रासो-साहित्य, (ङ) अमीर खुसरो का हिन्दी साहित्य एवं (च) विद्यापति का काव्य।

3. भक्तिकाल (1400 ई0 से 1600 ई0 तक)

- पृष्ठभूमि और संदर्भ

सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक,राजनैतिक स्थितियां और भक्ति-आन्दोलन की प्रेरक शक्तियां

- निर्गुण भक्ति साहित्य

(क) संत साहित्य और कबीर, संत-साहित्य की मुख्य विशेषताएं

(ख) प्रेमाख्यानक-काव्य और जायसी, प्रेमाख्यानक -काव्य की विशेषताएं

- सगुण भक्ति साहित्य (क) रामकाव्य-परंपरा और तुलसी, रामकाव्य की विशेषताएं

(ख) कृष्णकाव्य-परंपरा और सूरदास, कृष्णकाव्य की विशेषताएं

- भक्तिकालीन काव्य-संवेदना और अभिव्यक्ति-विधान
- भक्ति-काव्य की सामाजिक तथा सांस्कृतिक- चेतना

4. रीतिकाल (1600 ई0 से 1850 ई0 तक)

- रूढ़ि और मौलिकता

अ) शास्त्रगत, शिल्पगत, छन्दगत, भाषागत प्रयोग

ब) संवेदना, कलादृष्टि और सृजनशीलता

स) केशव, मतिराम, देव, बिहारी और घनानंद आदि कवियों का योगदान

- रीतिकाव्य का वर्गीकरण - रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध,रीतिमुक्त
- रीतिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियां और विशेषताएं

5. आधुनिक काल (1850 ई0 के बाद)

क) मध्ययुगीनता और आधुनिकता का अर्थ और अन्तर

ख) 19वीं शताब्दी के पुनर्जागरण का रूप

ग) पुनर्जागरण और हिन्दी क्षेत्र

(i) खड़ी-बोली गद्य का विकास और प्रयोग

(ii) साहित्य और संस्कृति

घ) भारतेन्दु और उनके युग के लेखक

(अ) लोक-चेतना (ब) पत्रकारिता (स) साहित्य उन्मेष (द) सामाजिक दृष्टि

ङ) द्विवेदी युग और नवजागरण: संवेदना और दृष्टि

च) विभिन्न काव्यान्दोलन, प्रवृत्तियां और कवि (छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, अकविता और समकालीन कविता)

छ) नाटक, रंगमंच, उपन्यास, कहानी, निबन्ध एवं आलोचना का संक्षिप्त इतिहास

ज) हिन्दी पत्रकारिता: साहित्यिक और सांस्कृतिक योगदान

झ) नये गद्य-रूपों का उदयः यात्रा वृत्तान्त, रिपोर्ताज, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण आदि का संक्षिप्त परिचय।

## सहायक पुस्तकें


| | |
|---|---|
| हिन्दी साहित्य का इतिहास | : रामचन्द्र शुक्ल |
| हिन्दी साहित्य का अतीत (दो खण्ड) | : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र |
| हिन्दी साहित्य की भूमिका | : हजारी प्रसाद द्विवेदी |
| हिन्दी साहित्य का आदिकाल | : हजारी प्रसाद द्विवेदी |
| आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास | : बच्चन सिंह |
| आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां | : नामवर सिंह |
| रीतिकाव्य की भूमिका | : नगेन्द्र |
| साहित्य रूप | : रामअवध द्विवेदी |
| भक्ति काव्य और लोक जीवन | : शिवकुमार मिश्र |
| हिन्दी साहित्य का इतिहास | : रामकिशोर शर्मा |
| हिन्दी साहित्य | : (सं0) धीरेन्द्र वर्मा |
| हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास | : सुमन राजे |
| हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास | : बच्चन सिंह |

# बी0ए0 तृतीय वर्ष

## प्रथम प्रश्न पत्र

काव्यभाषा और हिन्दी भाषा

1. भाषा: परिभाषा, भेद, प्रकार

2. सामान्य भाषा तथा काव्य भाषा: काव्य भाषा की परिकल्पना और स्वरूप

3. आधुनिक साहित्य चिन्तन में काव्य-भाषा का स्वरूप

   क) काव्य-भाषा का गठन और साभिप्राय-विचलन, उपचारवक्रता

   ख) बिम्ब-विधान

   ग) प्रतीक विधान

4. प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएं: वैदिक तथा संस्कृत का संक्षिप्त भाषिक परिचय।

5. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाओं के विकासात्मक लक्षण तथा विशेषताएं।

   क) पालि: व्युत्पत्ति, ध्वनि एवं व्याकरणगत विशेषताएं ।

   ख) साहित्यिक प्राकृत: प्राकृत की व्युत्पत्ति, परिनिष्ठित प्राकृत की ध्वनिगत तथा व्याकरणगत विशेषताएं ।

   ग) अपभ्रंश: अवहट्ट की विशेषताएं ।

6. पुरानी हिन्दी की अवधारणा और उसकी विशेषताएं ।

7. हिन्दी और उसकी उपभाषाएं: हिन्दी प्रदेश, हिन्दी की उपभाषाएं: पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी और पहाड़ी का संक्षिप्त परिचय।

8. पूर्वी और पश्चिमी हिन्दी की बोलियां, क्षेत्रीय विस्तार तथा भाषागत विशेषताएं ।

9. हिन्दी शब्द भण्डार के स्रोत।

10. मानक-हिन्दी का संक्षिप्त व्याकरण।

11. राजभाषा, राष्टभाषा और सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी

12. देवनागरी लिपि का इतिहास तथा विशेषताएं

निबन्ध (निम्न तीन प्रकार के विषयों पर आधारित )

क) सांस्कृतिक ख) साहित्यिक ग) सामाजिक

## सहायक पुस्तकें


रामस्वरूप चतुर्वेदी : काव्यभाषा पर तीन निबन्ध

सियाराम तिवारी : काव्यभाषा

हरदेव बाहरी : हिन्दी: उद्भव, विकास और रूप

धीरेन्द्र वर्मा : ब्रजभाषा

भोला नाथ तिवारी : हिन्दी भाषा

मलिक मुहम्मद : राजभाषा हिन्दी

मीरा दीक्षित : हिन्दी भाषा

किशोरी दास बाजपेयी : हिन्दी शब्दानुशासन

किशोरी दास बाजपेयी : ब्रजभाषा का व्याकरण

बाबूराम सक्सेना : अवधी का विकास

भवानी दत्त उप्रेती : हिन्दी भाषा का विकास और लिपि का स्वरूप

रामकिशोर शर्मा : हिन्दी भाषा का विकास

# बी0ए0 तृतीय वर्ष

## द्वितीय प्रश्न पत्र

भारतीय एवं पाश्चात्य-काव्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना

(क) भारतीय काव्यशास्त्र

1. काव्य की परिभाषा और स्वरूप
2. काव्यशास्त्रीय संप्रदायों का संक्षिप्त परिचय (प्राचीन से लेकर आधुनिक तक) , रस संप्रदाय,अलंकार संप्रदाय, रीति संप्रदाय, ध्वनि संप्रदाय, वक्रोक्ति संप्रदाय।
3. काव्य-गुण और काव्य-दोष

(ख) पाश्चात्य आलोचना के प्रमुख सिद्धान्त

1. अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त
2. लंजाइनस का उदात्त सिद्धान्त
3. क्रोचे का अभिव्यंजनावाद
4. रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धान्त और सम्प्रेषण सिद्धान्त
5. नयी समीक्षा का सिद्धान्त

(ग) आधुनिक हिन्दी आलोचना तथा साहित्य चिंतन की नयी दिशाएं

1. हिन्दी आलोचना का आरम्भ और विकास
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि
4. प्रगतिवादी समीक्षा: रामविलास शर्मा एवं नामवर सिंह
5. स्वच्छन्दतावादी समीक्षा और आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
6. रसवादी एवं मनोवैज्ञानिक समीक्षा और डॉ0 नगेन्द्र
7. भाषिक समीक्षा और रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. साहित्य चिंतन की नयी दिशाएं
   संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद, उत्तर-उपनिवेशवाद, उत्तर-आधुनिकतावाद।
9. विमर्श - दलित, स्त्री, संस्कृति, प्राच्यवाद(संक्षिप्त परिचय)
   (बिन्दु 8 एवं 9 से मात्र टिप्पणी पूछी जायेगी)

## सहायक पुस्तकें


| | |
|---|---|
| डॉ0 नगेन्द्र | : भारतीय काव्य-शास्त्र की भूमिका |
| गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे | : भारतीय साहित्यशास्त्र |
| बलदेव उपाध्याय | : संस्कृत आलोचना |
| शान्तिस्वरूप गुप्त | : पाश्चात्य आलोचना |
| योगेन्द्र प्रताप सिंह | : भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा आलोचना |
| देवेन्द्रनाथ शर्मा | : पाश्चात्य काव्यशास्त्र |
| डॉ0नगेन्द्र | : नई समीक्षा: नये संदर्भ |
| निर्मला जैन | : नई समीक्षा के प्रतिमान |
| रेनेवेलेक और वारेन | : साहित्य सिद्धान्त(अनू0) |
| सतीशचन्द्र देव (सं0) | : पाश्चात्य आलोचना की प्रवृत्तियां |
| सुशील कुमार डे | : संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास भाग- 1 व 2 (अनू0) |

# बी0ए0 तृतीय वर्ष

## तृतीय प्रश्न पत्र

प्रयोजनमूलक हिन्दी

(क) प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा और उसका अनुप्रयोग

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी का अभिप्राय और उसकी परिव्याप्ति
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी की प्रयुक्तियां और उसके प्रयोगात्मक क्षेत्र
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी और पारिभाषिक शब्दावली
4. कार्यालयी हिन्दी की प्रकृति और उसका मुहावरा
5. प्रशासनिक हिन्दी और उसकी शब्दावली
6. प्रशासनिक हिन्दी और उसके प्रकार
7. संक्षेपण, टिप्पण, प्रतिवेदन-लेखन एवं निबन्ध-लेखन

(ख) हिन्दी का वैज्ञानिक एवं तकनीकी रूप

1. हिन्दी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली
2. हिन्दी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी लेखन
3. हिन्दी कम्प्यूटिंग
4. हिन्दी- अनुप्रयोग में अनुवाद की भूमिका, अनुवाद की अवधारणा, महत्व और विभिन्न सिद्धान्त, हिन्दी अनप्रयोग के विविध क्षेत्र और अनुवाद, भूमंडलीकरण की परिकल्पना और अनुवाद, रोजगार के क्षेत्र और अनुवाद।

(ग) हिन्दी में मीडिया लेखन

1. जनसंचार-माध्यम: अभिप्राय, स्वरूप और विस्तार
2. जनसंचार-माध्यमों के प्रकार
3. जनसंचार-माध्यमों की भाषिक प्रकृति
4. समाचार-लेखन और हिन्दी
5. रेडियो-लेखन और हिन्दी
6. विज्ञापन-लेखन
7. संपादनः कला के सिद्धान्त
8. प्रूफ-पठन

## सहायक पुस्तकें


| | |
|---|---|
| रामकिशोर शर्मा, शिवमूर्ति शर्मा | : प्रयोजनमूलक हिन्दी |
| कैलाश चन्द्र भाटिया | : हिन्दी का प्रयोजनमूलक स्वरूप |
| विजय कुलश्रेष्ठ | : प्रयोजनमूलक हिन्दी |
| रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव (सं0) | : प्रयोजनमूलक हिन्दी |
| गोपीनाथ श्रीवास्तव | : सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग |
| गोपीनाथ श्रीवास्तव | : कार्यालय कार्यविधि |
| कैलाश चन्द्र भाटिया | : अनुवाद कलाः सिद्धान्त और अनुप्रयोग |
| नगेंद्र | : अनुवाद विज्ञानः सिद्धान्त और अनुप्रयोग |
| जी0 गोपीनाथन् | : अनुवादः सिद्धान्त और प्रयोग |
| शिवगोपाल मिश्र | : हिन्दी विज्ञान साहित्य का सर्वेक्षण |
| डेविड वेनराइट | : जर्नलिज्म |
| जगदीश्वर चतुर्वेदी | : जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा |
| सुधीर पचैरी, अचला शर्मा | : नये जनसंचार माध्यम और हिन्दी |
| ब्रूस वेस्टली | : न्यूज एडिटिंग |
| पुण्य प्रसून वाजपेयी | : ब्रेकिंग न्यूज |
| नंदकिशोर त्रिखा | : समाचार संकलन व लेखन |
| प्रेमनाथ चतुर्वेदी | : समाचार संपादन |
| हरिमोहन | : सूचना प्रौद्योगिकी और जनमाध्यम |